शहीद स्मारक में आयोजित पुस्तक मेले के पांचवें दिन बरगी विधायक ने किया नवाचारों का अवलोकन

पुस्तक दान महादान, 'बुक बैंक' के माध्यम से विद्यार्थियों की मदद का अनूठा मंचः नीरज सिंह

जबलपुर। गोल बाजार स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में आयोजित तृतीय 'पुस्तक मेला 2026' के पांचवें दिन मुख्य अतिथि के रूप में बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विधायक श्री सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में वंदन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा और जिला महिला अधिकारी सुश्री हजरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

नवाचारों और प्रतिस्पर्धी दरों की सराहना

अपने संबोधन में विधायक नीरज सिंह ने जबलपुर के इस 11 दिवसीय उत्सव को समाज को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि सेशन ब्रेक के बाद जब नया सत्र शुरू होता है, तब अभिभावक चाहते हैं कि उन्हें प्रतिस्पर्धी दरों पर पुस्तकें, जूते, बैग और कॉपियां मिलें और यह मेला एक ही छत के नीचे यह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराकर अभिभावकों की चिंताओं को दूर कर रहा है। विधायक श्री सिंह ने 'बुक बैंक' की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि यदि किसी छात्र की पढ़ाई पूर्ण हो गई है, तो पुस्तक दान करना एक बहुत बड़ा दान है। यह उन जरूरतमंद बच्चों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जो नई किताबें वहन नहीं कर सकते। वे रेड क्रॉस के माध्यम से न्यूनतम राशि देकर यहाँ से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग जनहित में ही किया जाता है।

'रीड ऑन रेंट' और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

विधायक श्री नीरज सिंह ने मेले में शुरू किए गए 'रीड ऑन रेंट' कांसेप्ट की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि मात्र 5 रुपये के न्यूनतम शुल्क पर बच्चे सुबह से शाम तक पाठ्यक्रम से इतर अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ सकते हैं, जो ज्ञानवर्धन के लिए एक अभिनव पहल है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा 'स्कूल चले हम' गीत पर दी गई मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विधायक श्री सिंह ने कहा कि ऐसे मंचों के माध्यम से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, जो सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है।

पुस्तक बैंक हेतु अपील

इससे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2024 में शुरू हुआ यह प्रयोग अब 81 दुकानों के साथ एक भव्य मेले का स्वरूप ले चुका है। कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री नीरज सिंह और शिक्षा विभाग द्वारा विशेष अपील की गई कि वर्तमान में 'बुक बैंक' में माध्यमिक शिक्षा मंडल की पुस्तकें पर्याप्त हैं, किंतु सीबीएसई और इंग्लिश मीडियम की पुस्तकों की उपलब्धता कम है। अतः कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र और अन्य दानदाता अपनी पुरानी पुस्तकें डोनेट करें ताकि अन्य विद्यार्थी कम दाम में इनका लाभ उठा सकें।
कार्यक्रम के दौरान मेले में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, डीपीसी योगेश शर्मा, मधुमिता हाजरा विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा कौशल किशोर चौबे अरविन्द अग्रवाल, विवेकानंद शर्मा, सत्येंद्र उरैती आलोक शर्मा सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जबलपुर में आयोजित "संगीताचार्य पं. सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह" का समापन

स्मृति समारोह में साकार हुई शास्त्रीय कला की गरिमा

सुर, लय और साधना का अद्भुत समागम

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय संगीताचार्य पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह के अंतिम दिवस उत्कृष्ट गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। संस्कृति थियेटर, भंवरताल गार्डन, जबलपुर में आयोजित इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन में भारत की समृद्ध संगीत परम्परा का जीवंत और मनोहारी स्वरूप साकार हुआ। सुर, ताल और लय की मधुर संगति ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया, वहीं कलाकारों की साधना, समर्पण और अभिव्यक्ति ने भारतीय शास्त्रीय कलाओं की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया। विविध रंगों से सजी प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विरासत की गहराई और व्यापकता का प्रभावी परिचय कराया। यह आयोजन न केवल कला-साधकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना, बल्कि संगीत और नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की आत्मा को अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर भी सिद्ध हुआ है।

प्रदेश एवं देश के आमंत्रित सुविख्यात कलाकारों का स्वागत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाड़कर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। कार्यक्रम की पहली सभा सितार-सरोद जुगलबंदी की थी। इस विशिष्ट प्रस्तुति में जबलपुर के ही सजल सोनी (सरोद), अनुष्का सोनी (सितार) एवं आंशिक सोनी (सरोद) ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राग किरवानी की गंभीर और भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई। कलाकारों ने इस राग के विभिन्न आयामों को अत्यंत कुशलता से उकेरा, जिसमें आलाप, जोड़ और झाला के साथ-साथ कई पारंपरिक बंदिशों को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। तीनों कलाकारों के बीच तालमेल, संवाद और रचनात्मकता ने जुगलबंदी को विशेष ऊँचाई प्रदान की। प्रस्तुति के दौरान कलाकारों की तकनीकी दक्षता और भावनात्मक अभिव्यक्ति ने संगीत प्रेमियों को पूरी तरह बांधे रखा। इस संगीतमय यात्रा को और भी सशक्त बनाया माधव सिंह ठाकुर ने, जिन्होंने तबला संगत में अपनी लयकारी और सटीक ताल से कार्यक्रम को जीवंतता प्रदान की।

कार्यक्रम की दूसरी सभा सुखदेव चतुर्वेदी, मुंबई की ध्रुपद गायन की थी। भारतीय शास्त्रीय संगीत की इस अत्यंत प्राचीन शैली में संगीत प्रेमियों ने जहां आध्यात्मिकता का अनुभव किया, वहीं गायन की गहराई और गंभीरता ने संगीत की श्रेष्ठता से भी परिचित कराया। उन्होंने गायन का आरंभ राग जयजयवंती से किया। इसमें उन्होंने नोम तोम का गहरा आलाप लेते हुए ध्रुपद बंदिश "मोर मुकुट कानन कुंडल" से राग को विस्तार दिया। अगली प्रस्तुति राग सरस्वती की थी, जिसमें उन्होंने धमार प्रस्तुत करते हुए "बहुरी धप बाजन लागे" से अपनी गायिकी को गहरा किया। अंत में उन्होंने राग शहाना में सूलताल की बंदिश "बिट्ठल प्रभु नमो नमो" से प्रस्तुति को विराम दिया। उनके साथ सारंगी पर आबिद हुसैन एवं पखावज पर जयवंत गायकवाड़ ने सधि संगत दी।

कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति सुश्री अद्रिजा बसु, कोलकाता की गायन की थी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के आरम्भ के लिए मधुर राग बागेश्री का चयन किया। जिसमें उन्होंने विलंबित तीन ताल की बंदिश "कौन गत भई" से राग के सौन्दर्य को दिखाया। इसके बाद द्रुत तीन ताल में "सजना आए मोरे भाग जगाए" बंदिश से प्रियतम के आने की खुशी को अभिव्यक्त किया। अंत में उन्होंने राग बसंत में छोटा खयाल "कान्हा रंगवा न डारो" से रंगों के उत्सव के सौंदर्य को सुरों से सौंदर्यपूर्ण ढंग से व्यक्त किया। उनके साथ तबले पर तल्लीन त्रिवेदी एवं हारमोनियम पर सुश्री रचना शर्मा ने संगत दी। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति कथक समूह नृत्य की थी। जबलपुर की गुणी नृत्यांगना सुश्री नीलांगी कलंत्रे एवं साथी द्वारा यह प्रस्तुति दी गई। उनकी पहली प्रस्तुति गौरी रमण थी, जिसमें समुद्र मंथन का चित्रण किया गया। साथ ही शिव-पार्वती की महिमा का वर्णन किया गया। द्वितीय प्रस्तुति तीन ताल की थी, जिसमें कथक नृत्य की परंपरानुसार उठान, ठाठ, आमद, तोडे, परन, तिहाई, कवित्त एवं अंत में एक लड़ी की प्रस्तुति दी। नृत्य के तकनीकी पक्ष को दिखाती गई यह प्रस्तुति दर्शकों द्वारा सराही गई। तृतीय प्रस्तुति शेष-महेश की थी, जिसमें कृष्ण की बाल लीलाएं, जिसमें गोपियाँ बस थोड़ी से छाछ का लालच देकर कृष्ण को अंगुलियों पर नचाती हैं। चतुर्थ प्रस्तुति में प्रहलाद की कथा का वर्णन किया गया। जिसमें बताया गया कि किस प्रकार भक्त प्रहलाद को उसके ही पिता राजा हिरण्यकश्यप सिर्फ इसलिये मारना चाहते हैं कि वह विष्णु की आराधना करता है और भगवान विष्णु नरसिंह अवतार लेकर उसका वध करते हैं। पांचवीं प्रस्तुति पंडित बिरजू महाराज द्वारा रचित सरगम की थी एवं छठवीं प्रस्तुति ध्रुपद की थी। अंत में एक कजरी की प्रस्तुति थी, जिसमें यह बताया गया कि एक नायिका अपने प्रिया का इंतजार करती है और वो उन्हें हर जगह ढूंढती है।

हिन्दू परिषद और बजरंग दल की बैठक ने लिया संकल्प

1 करोड़ घरों से 1 मुट्ठी अनाज संग्रहण करने का लक्ष्य

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत की एक महत्वपूर्ण बैठक विजय नगर स्थित कचनार क्लब में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के आगामी लक्ष्यों और समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को धरातल पर उतारने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में हिंदू हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को हिंदू समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। बैठक में 1 लाख साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने, 1 करोड़ घरों से 'एक मुट्ठी अनाज' का संग्रह कर 1 करोड़ जरूरतमंदों तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा के तहत 1 लाख मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित करने के लिए 30 हजार डॉक्टरों को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। इसी तरह जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता, महिला सुरक्षा प्रशिक्षण और राष्ट्र को आतंक मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष श्री अभिषेक मालू, प्रांत महामंत्री डॉ. अशोक सोनी, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष अधि. प्रीति धनधारिया, प्रांत मंत्री अर्पित ठाकुर सहित महाकौशल प्रांत के 23 जिलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपसी खींचतान में रुक गए नाम

पनागर-सिहोरा के एल्डरमैन घोषित, जबलपुर के अटके

जबलपुर। मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद रविवार को 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के नामों की घोषणा कर दी गई, लेकिन जबलपुर नगर निगम में एक बार फिर सहमति नहीं बन सकी। पनागर और सिहोरा में जहां नामों पर मुहर लग गई, वहीं जबलपुर शहर में आपसी खींचतान के चलते सूची जारी नहीं हो पाई। राजनीतिक हलकों में इसे संगठन और स्थानीय नेतृत्व के बीच तालमेल की कमी के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले नगर निगम की एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) के गठन में भी लंबा विवाद चला था और आज भी कई पद खाली हैं, जबकि अगले साल निगम का कार्यकाल समाप्त होने वाला है।

राज्य में 169 निकायों में घोषणा

प्रदेश के 123 नगर परिषदों में 4-4 और 46 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। जबलपुर जिले की सिहोरा और पनागर नगर पालिकाओं में नाम घोषित हुए हैं. सिहोरा में सत्य प्रकाश खरे, अमित खत्री, आलोक जैन, साकेत पांडे, गीता पटेल, विनोद गुप्ता। वहीं पनागरमें अनिल गौतम, रेखा ताम्रकार, विनय जैन, राजेश तिवारी, दुर्गेश बर्मन, सचिन पटेल को एल्डरमैन बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार एल्डरमैन के नामों की घोषणा सबसे पहले नगर परिषद स्तर से शुरू की गई है।

जबलपुर शहर क्यों पिछड़ा

जबलपुर नगर निगम में पहले भी एमआईसी गठन को लेकर खींचतान सामने आ चुकी है। आधे पद अभी भी खाली हैं। अब एल्डरमैन सूची में देरी से यह सवाल उठने लगा है कि क्या स्थानीय स्तर पर गुटबाजी निर्णय प्रक्रिया पर भारी पड़ रही है? राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जब निगम का कार्यकाल समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में नियुक्तियों में देरी से प्रशासनिक कामकाज और समन्वय प्रभावित हो सकता है।

क्या होती है एल्डरमैन की भूमिका

मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की समझ के आधार पर की जाती है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होता। इनका कार्यकाल परिषद के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होता है। सरल शब्दों में, एल्डरमैन परिषद के मार्गदर्शक होते हैं, निर्णायक नहीं। अब नजर इस बात पर है कि जबलपुर नगर निगम में सहमति कब बनती है और क्या एमआईसी की तरह यह मुद्दा भी लंबा खिंचता है, या फिर जल्द कोई समाधान निकलता है।

लायसेंस नवीनीकरण कराने अब मात्र 2 दिन शेष

जबलपुर। नगर निगम द्वारा मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप 31 मार्च तक करदाताओं को बकाया करों की राशि पर छूट का लाभ दिया जा रहा है, इसके लिए अब मात्र 2 दिन शेष रह गये हैं। इसके साथ-साथ लायसेंस नवीनीकरण कराकर सम्मान के साथ व्यापार करने की अवधि भी 2 दिन शेष है। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के करदाताओं एवं व्यापारियों से अपील की है कि 31 मार्च तक अपने समस्त बकाया करों की राशि जमा कर अधिभार से बचें। वहीं उन्होंने व्यापारियों से भी अनुरोध किया है कि 31 मार्च के पहले लायसेंस नवीनीकरण कराएं और सम्मान के साथ व्यापार करें।

दोनों समय जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि टाउन हॉल टैंक में कंटेनर लीकेज के सुधार कार्य एवम सप्लाई लाइन 600 एम.एम. की टी बदलने का कार्य किया जाना है। जिसके चलते आज 30 मार्च 2026 को सायंकालीन से कल 1 अप्रैल 2026 तक दोनो समय टैंक से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

25 से 28 वर्ष की सेवा के पश्चात परीक्षा लेना अनुचित?

ट्राइबल विभाग के 65 हजार शिक्षकों को देनी होगी पात्रता परीक्षा

जबलपुर। 25 से 28 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात कर्मचारी की परीक्षा लेना क्या सही है ? यह सवाल मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने उठाया है। उन्होंने कहा है कि जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ शिक्षकों के लिए भी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। नए निर्देशों के अनुसार ट्राइबल विभाग के करीब 65 हजार शिक्षकों को यह परीक्षा देनी होगी, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षकों के सामने नौकरी को लेकर

असमंजस की स्थिति बन गई है। विभाग में करीब 95 हजार शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से करीब 65 हजार को पात्रता परीक्षा देनी होगी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव (वायु) ने बताया है कि जनजातीय कार्य विभाग आयुक्त द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 समेत अन्य मामलों में दिए गए आदेशों के आधार पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के तहत पात्रता परीक्षा को अनिवार्य बनाया गया है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को यह पात्रता परीक्षा दो वर्षों के भीतर अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण करनी होगी। इसके लिए विभाग ने जुलाई-अगस्त 2026 में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है। संभागीय उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला संयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों को परीक्षा की जानकारी दें और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें, विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो शिक्षक अभी निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करते हैं, उन्हें इस परीक्षा में शामिल होकर पात्रता हासिल करनी होगी। आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने इस प्रक्रिया पर रोष व्यक्त किया है उन्होंने कहा है कि जानकारी प्राप्त हुई है कि ए एन एम कार्यकर्ता वर्ष-2023 परीक्षा के अभ्यर्थियों का पुनः परीक्षण 6 अप्रैल से 17 अप्रैल तक अपर संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के आदेश पर होने की चर्चा है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ए.एन.एम.) वर्ष 2023 परीक्षा के अंतर्गत अपात्र घोषित अभ्यर्थियों का पुनः परीक्षण कराना भी सही नहीं है। परीक्षण संचालनालय जयप्रकाश चिकित्सालय भोपाल, चिकित्सा शिक्षा विभाग सतपुड़ा भवन भोपाल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं म.प्र. पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन लिमिटेड भोपाल में कराए जाने की चर्चा भी जोरों से हो रही है। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय,अरुण चतुर्वेदी, योगेन्द्र मिश्रा, सतीश उपाध्याय ने पात्रता परीक्षा के नाम पर शिक्षको और कर्मचारियों की योग्यता सेवा में आने के 25 से 28 वर्ष पश्चात जांचने की प्रक्रिया को गलत बताया है। शासन से कर्मचारी हित में इस तरह के आदेश जारी न करने की मांग की है।

जबलपुर की नई वॉटर क्रांति, भंवरताल बनेगा जल संचयन का मॉडल : उपमुख्यमंत्री

जबलपुर। शहर के हृदय स्थल भँवरताल उद्यान में अब वर्षा की हर बूंद को सहेजने की तैयारी शुरू हो गई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सोकपिट निर्माण का भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि जबलपुर में यह एक नई "वॉटर क्रांति" है, जो पूरे प्रदेश के लिए मॉडल बनेगी। उन्होंने बताया कि भँवरताल को जल संचयन का आदर्श केंद्र बनाया जा रहा है, जिससे भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए नागरिकों से भी अभियान में भागीदारी की अपील की।

10 एकड़ में बनेंगे 4 सोकपिट

करीब 10 एकड़ में फैले इस पार्क में 4 सोकपिट बनाए जा रहे हैं। इन सोकपिट के माध्यम से वर्षा जल सीधे जमीन में समाहित होगा और भूजल स्तर रिचार्ज होगा। मानसून के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या भी इससे कम होगी। संचित पानी धरती की प्यास बुझाएगा और आसपास के क्षेत्रों में ट्यूबवेल व कुओं के जल स्तर में सुधार होगा।

ननि का मिशन हार्वेस्टिंग

नगर निगम अब शहर के लगभग 200 उद्यानों के साथ-साथ शासकीय और अशासकीय भवनों में भी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। निजी संस्थानों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशासन का मानना है कि यह पहल जबलपुर को भविष्य के जल संकट से बचाने में कारगर साबित होगी।

इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इन्दू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, पार्षद अतुल जैन दानी, श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती अंजना मनीष अग्रहरी, श्रीमती वर्षा मनोज सेन, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

देवड़ा ने किया श्रमदान, जल संरक्षण का दिलाया संकल्प

जगदीश देवड़ा ने प्रवास के दौरान शासन के महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में भाग लेते हुए ऐतिहासिक रानीताल पहुंचकर श्रमदान किया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ तालाब परिसर की सफाई कर स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि जल संरक्षण को केवल अभियान न समझें, बल्कि इसे सामाजिक कर्तव्य के रूप में निभाएं। उन्होंने नारा दिया– जब जन-जन जुड़ेगा, तभी जल बचेगा। इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इन्दू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर तालाब की सफाई की और जल संचयन का संकल्प लिया।

भंवरताल में "संकल्प से समाधान" कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम भंवरताल गार्डन के समीप स्थित संस्कृति थियेटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवड़ा ने कहा कि कुछ कार्यक्रम संख्या के आधार पर बड़े होते हैं, लेकिन कुछ कार्यक्रम भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का राजधर्म है कि वह जनता के दुखों को संवेदनशीलता से दूर करे। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, उनकी औपचारिकताएं पूरी कर कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्यगण श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, पार्षद अतुल जैन दानी, श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती अंजना मनीष अग्रहरी, श्रीमती वर्षा मनोज सेन, कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर श्री रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक गहलोत सहित बड़ी संख्या में हितग्राही और आमजन उपस्थित रहे।

बाना छेदे साधक, भाव खेलते पण्डा, नृत्य करतीं 9 देवियां और कलशों की छटा देखते ही बन रही थी

जगह-जगह स्वागत मंच लगाकर श्रद्धालुओं ने किया सत्कार

मां बड़ी खेरमाई के जवारों की निकली भव्य विसर्जन शोभायात्रा

जबलपुर। गुप्त शक्तिपीठ मां श्री बड़ी खेरमाई मंदिर परिसर में चैत्र की नवरात्र पर विराजमान जवारों की भव्य विसर्जन शोभायात्रा सम्पन्न हुई। श्री बड़ी खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया कि जवारा शोभायात्रा अपने ऐतिहासिक और परम्परागत मार्ग से निकाली गई। जवारा शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया गया। बाजे-गाजे-ढोल-ढमाकों और भक्ति संगीत की मधुर धुनों के साथ निकली शोभायात्रा में आगे-आगे भाव खेलते पण्डा और बाना छेदे साधकों को देखकर लोग हैरत में पड़ गए। इसी के साथ नृत्य करतीं 9 देवियों की झांकियां और कलशों की शोभा देखते ही बन रही थी, श्रद्धा से नत हो रहे मस्तक स्वतः ही भगवती मातारानी का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। जवारा शोभायात्रा में माँ बड़ी खेरमाई माता की छवि का भव्य रथ आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर परिसर भानतलैया से शुरू हुई जवारा शोभायात्रा यहां से दुर्गा चौक होते हुए हनुमानताल से आगे राजा रसगुल्ला के सामने से होते हुए मिलौनीगंज की ओर बढ़ी, जहां से घोड़ा नक्कास होते हुए जवारा शोभायात्रा हनुमानताल थाने के सामने स्थित घाट पर पहुंची। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। जवारा शोभायात्रा में माँ श्री बड़ी खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, सचिव शशिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष अनिल पाल, महेंद्र जांगड़े, सुरेश आहूजा, जयकांत उपाध्याय, आशीष त्रिवेदी, दीपचंद साहू, राहुल चौरसिया, विनय केसरवानी, रोहित सेन, विशाल आहूजा, डीपी गूजर, गणेश रैकवार सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्यजन शामिल हुए।

प्रोफेसर अरुण शुक्ल को दिल्ली में साहित्याचार्य विभूषण सम्मान से किया गया अलंकृत

जबलपुर। साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सतत सक्रिय महाकोशल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अरुण शुक्ल को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'साहित्यकार सम्मान उत्सव' में सम्मानित किया गया। इंडिया नेटबुक्स व बीपीए फाउंडेशन द्वारा विगत दिवस दिल्ली के मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित इस भव्य समारोह में प्रोफेसर शुक्ल को उनकी साहित्यिक निष्ठा और अकादमिक योगदान के लिए 'साहित्याचार्य विभूषण सम्मान' से गौरवान्वित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध वरिष्ठ लेखिका ममता कालिया ने की, जिनकी देखरेख में चयन समिति ने देश भर की विभूतियों का चयन किया था।-**साहित्य के साथ सांस्कृतिक भूमिका भी अहम**प्रोफेसर अरुण शुक्ल केवल साहित्यिक लेखन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय रहते हैं। वे वर्तमान में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना और दिव्यांग प्रकोष्ठ के महत्वपूर्ण पदों पर रहकर छात्र हितैषी कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण और समाज के वंचित वर्ग की सहायता में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। श्री शुक्ल के मार्गदर्शन में युवाओं को करियर सम्बन्धी प्रेरक व्याख्यान व सेमिनार भी सतत आयोजित किये जाते हैं। इस सम्मान समारोह में उनके साथ प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा को वेद व्यास शिखर सम्मान तथा केशू भाई देसाई एवं डॉ. संतोष चौबे सहित अन्य विद्वानों को विभिन्न श्रेणियों में अलंकृत किया गया। प्रोफेसर श्री शुक्ल को उनकी इस उपलब्धि और साहित्य के प्रति उनके समर्पण के लिए शुभचिंतकों एवं सहयोगियों द्वारा बधाई दी जा रही है।

प्रदेश की बिजली बाहर सस्ती प्रदेश में मंहगी बेची जाएगी

प्रदेश के बाहर 3.81 रुपये यूनिट, प्रदेश में 7.05 रुपये में मिलेगी

जबलपुर। इस वर्ष के बिजली टैरिफ आदेश के पृष्ठ 77 टेबल 35 में प्रदेश के बाहर सरप्लस बिजली 3.81 रुपये प्रति यूनिट के रेट से पावर एक्सचेंज के मार्फत बेचने का निर्देश जारी किया गया है। इसी टैरिफ आदेश में प्रदेश के सर्वसाधारण उपभोक्ता, जो प्रतिमाह 150 से 300 यूनिट बिजली की खपत करते हैं, उन्हें 7.05 रुपये प्रति यूनिट से बिजली बेचने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश में ही उत्पादित की गई बिजली बाहर सस्ते रेट पर लेकिन वही बिजली प्रदेश के उपभोक्ताओं को मंहगे रेट पर बेची जाना जबरदस्त विसंगति है तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं के साथ भारी अन्याय है।नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्श मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक संगठन, महिला समिति, मानव अधिकार क्रांति संगठन, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसो., पेंशनर्स समाज तथा किसान संगठन ने 28 मार्च को घंटाघर के पास प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर मांग की कि प्रदेश में भी बाहर के सस्ते रेट से बिजली बेची जाए। इस अवसर पर डॉ. पीजी नाजपांडे, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, मनीष शर्मा, अशोक नामदेव, संतोष श्रीवास्तव, दिलीप कुण्डे, पीएस राजपूत, डीआर लखेरा, रेखा झारिया, यशवंत कोष्टा, अशोक यादव, डीके चौरे, डीके निगम, अब्दुल रहमान सहित बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित रहे।

गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का 15वां स्थापना दिवस एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

370 मरीजों की जांच, वरिष्ठजनों को "हीरक मणि सम्मान", नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

जबलपुर। गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ म.प्र. जबलपुर द्वारा 15वां सार्वजनिक निःशुल्क चिकित्सा शिविर, वार्षिक समारोह एवं स्थापना दिवस कार्यक्रम गहोई वैश्य पंचायती भवन, तमरहाई चौक में धूमधाम से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. अभिलाष पाण्डे (विधायक, उत्तर मध्य क्षेत्र), विशिष्ट अतिथि डॉ. रामकुमार हूँका (पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी) एवं राकेश चंद्र सरावगी (उपाध्यक्ष, महासभा) की उपस्थिति में अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 370 मरीजों की जांच कर परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया। द्वितीय सत्र में वार्षिक साधारण सभा एवं स्थापना दिवस समारोह का आयोजन रमेशचंद्र सरावगी (उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा, ग्वालियर) के मुख्य आतिथ्य तथा इंजी. रामगोपाल ददरया (अध्यक्ष, गहोई वैश्य समाज पंचायत, जबलपुर) एवं वीरेन्द्र कुमार सोनी (अध्यक्ष, मध्य मालवा क्षेत्रीय सभा, भोपाल) के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

इस दौरान संतोष सुहाने (महासचिव) ने बैठक विवरण, विजय बडौन्या (कोषाध्यक्ष) ने आय-

डॉ राहुल राजपूत और डॉ कुणाल पटले की फीजियोथैरिपी टीम ने भी शिविर में भागीदारी दी।

व्यय तथा अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्व. साधना नीखरा के परिजनों का सम्मान किया गया तथा 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को "हीरक मणि सम्मान" प्रदान किया गया। सत्र 2026-2028 के लिए निर्वाचित अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे एवं महासचिव संतोष सुहाने को डॉ. अरूण सरावगी द्वारा शपथ दिलाई गई। रामनारायण पहारिया ने संघ की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रवृत्ति वृद्धि, विशेष प्रतिभा सम्मान (5000), शिक्षक सम्मान एवं स्वरोजगार योजनाओं (सिलाई मशीन वितरण) का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में शंभूदयाल बड़ेरिया, अनंतराम बड़ेरिया, कैलाश कुमार लहरिया, सीता सरावगी, संतोष सिपोल्या, कृष्णकांत बरसैया, सतीष कुचया, राकेश इटोंदया, सुभाषचंद्र रावत, उत्तमचंद्र बिलैया, अशोक सेठ, राजेन्द्र मातेले, राजेन्द्र चपरा, सुरेश कुमार चौदहा, विष्णु दयाल ब्रिजपुरिया, अरूण खर्द, दिनेश चंद्र बिलैया, खेमचंद सोनी, सविता सरावगी, अनिल सरावगी, राजीव नीखरा, राजेन्द्र सिजारिया, सुरेश कुरेले, कृष्ण कुमार नौगरैया, आनंद तपा, पुरुषोत्तम लाल झुड़ेले सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन अनंतराम बड़ेरिया ने किया तथा अंत में महासचिव संतोष सुहाने ने आभार व्यक्त किया। दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वरूचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महाकोशल प्रांत की प्रांत बैठक संपन्न आगामी कार्ययोजना पर हुआ विचार-विमर्श

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकोशल प्रांत की महत्वपूर्ण बैठक विजय नगर स्थित कचनार क्लब में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी लक्ष्यों और समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को धरातल पर उतारने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में हिंदू हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को हिंदू समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

बैठक में प्रमुख रूप से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई- सामुदायिक सहयोगः 1 लाख साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करना और 1 करोड़ घरों से 'एक मुट्ठी अनाज' का संग्रह कर 1 करोड़ जरूरतमंदों तक पहुँचाना।

स्वास्थ्य सेवाः 1 लाख मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित करना, 1 करोड़ हिंदू साथियों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण (बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, मोटापा) करना और प्रतिदिन एक रोगी को मुफ्त देखने वाले 30 हजार डॉक्टरों को जोड़ना।

सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकताः जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता, महिला सुरक्षा प्रशिक्षण और राष्ट्र को आतंक मुक्त बनाने का संकल्प।

बैठक में महाकोशल प्रांत के अध्यक्ष अभिषेक मालू, प्रांत महामंत्री डॉ. अशोक सोनी, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष अधि. प्रीति धनधारिया, प्रांत मंत्री अर्पित ठाकुर सहित महाकोशल प्रांत के 23 जिलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाइपोलर डिसऑर्डर दिवस आज

भारत में हर 150 में से एक व्यक्ति बाइपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित

जबलपुर। विश्व द्विध्रुवी दिवस (World Bipolar Day) हर साल 30 मार्च को प्रसिद्ध चित्रकार विंसेंट वैन गॉग के जन्मदिन पर मनाया जाता है, जिन्हें मरणोपरांत बाइपोलर डिसऑर्डर का निदान किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य इस मानसिक स्थिति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, कलंक (Stigma) को दूर करना और सही उपचार के बारे में शिक्षित करना है।शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुर्नवास केंद्र जबलपुर के संचालक मुकेश कुमार सेन क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट ने बताया कि विश्व में लगभग 4.6 करोड़ लोग बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित हैं, वहीं भारत में बाइपोलर डिसऑर्डर (द्विध्रुवी विकार) के मामलों को लेकर अलग-अलग अनुमान हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, भारत में लगभग 8 करोड़ से अधिक लोग इस विकार से पीड़ित हो सकते हैं, जबकि अन्य आंकड़ों के अनुसार, देश में हर 150 में से एक व्यक्ति (लगभग 0.5% से 1%) इस समस्या से प्रभावित है। यह एक गंभीर मानसिक स्थिति है।

बाइपोलर डिसऑर्डर क्या है?

बाइपोलर डिसऑर्डर जिसको पहले मैनिक-डिप्रेसिव बीमारी या मैनिक डिप्रेशन के नाम से भी जाना जाता था। यह एक मानसिक स्थिति है जो बहुत ज़्यादा मूड स्विंग होने का कारण बनती है, जिसमें कई व्यक्तियों को उम्र बढ़ने के साथ-साथ मूड में तेजी से बदलाव और मानसिक स्थिति में उतार चढ़ाव का महसूस होना शुरू हो जाता है। जिनको उन्माद या हाइपोमेनिया भी कहा जाता है, इस तरीके के बदलाव घंटों, दिनों, हफ्तों या महीनों तक रह सकते हैं और आपके कार्यों को करने की क्षमता को बिगाड़ सकते हैं। बाइपोलर डिसऑर्डर के कई प्रकार होते हैं जिसमें आपके मूड में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव होने का अनुभव हो सकता है जैसे कि हाइपोमेनिक/ मैनिक और अवसादग्रस्त एपिसोड। बाइपोलर डिसऑर्डर में व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है यह उससे ही जुड़े बाइपोलर डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है। जब आप उदास हो जाते हैं, उदास या निराश महसूस कर सकते हैं और ज्यादातर गतिविधियों में दिलचस्पी या आनंद खो सकते हैं। इसके साथ आपका लाइफस्टाइल भी प्रभावित हो सकता है। बाइपोलर डिसऑर्डर में व्यक्ति कभी तो ज्यादा उदास और कभी तो ज्यादा खुश महसूस कर सकता है जिसकी वजह से वह चिड़चिड़ा हो जाता है। यह मूड स्विंग नींद, ऊर्जा, गतिविधि, निर्णय, व्यवहार और स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। जो कोई भी व्यक्ति इस तरीके की बीमारी से पीड़ित होता है, उसके घरवालों को चाहिए की उस व्यक्ति को स्पोर्ट करें और उसके साथ रहें। इस तरीके की समस्या व्यक्ति को डिप्रेशन और मेनिया का शिकार बना सकती है। अगर व्यक्ति को इसका ट्रीटमेंट जल्दी न दिया जाये तो ये एक गंभीर बीमारी का रूप भी धारण कर सकती है।

उम्र के साथ बाइपोलर डिसऑर्डर क्यों बिगड़ता है?

आम तौर पर इसमें व्यक्ति की मानसिक स्थिति तेजी से बदलती है, कभी वह बहुत ही जयादा एनर्जेटिक, आत्मविश्वासी और बहुत ही तेज बोलने वाला हो जाता है, और कभी बहुत ज्यादा दुखी, थका हुआ और उदास हो जाता है। इसको मैनिक और डिप्रेसिव कहा जाता है, बाइपोलर डिसऑर्डर को "मूड डिसऑर्डर" भी बोला जाता है। ये व्यक्ति के काम, करियर, रिश्तों को भी प्रभावित करता है।यदि समय रहते इस बीमारी का उपचार किया जाये तो बाइपोलर डिसऑर्डर शीघ्र ही ठीक किया जा सकता है, बाइपोलर डिसऑर्डर एक दीर्घकालिक मानसिक स्थिति है, जिसे उचित उपचार से नियंत्रित किया जा सकता है। इसके मुख्य उपचार में मूड स्टेबलाइजर दवाएं (जैसे लिथियम), एंटीसाइकोटिक्स, साइकोथेरेपी (जैसे **CBT**) और जीवनशैली में बदलाव (नियमित नींद, नशा मुक्ति) शामिल हैं। यह एक जीवनभर चलने वाली बीमारी है, इसलिए मनोचिकित्सक की सलाह पर ही दवाओं का कोर्स जारी रखना चाहिए।

भेड़ाघाट में भू-माफियाओं पर जिला प्रशासन मेहरबान क्यों

सरस्वती घाट में पहाड़ी को काटकर अतिक्रमण हो रहा

भेड़ाघाट। सरकारी भूमि पर कब्जा करने की होड़ सी मची हुई हैं शहपुरा तहसील पटवारी हल्का नंबर 46 बिल्हा ग्राम पंचायत में सरस्वती घाट पर भूमाफियाओं द्वारा धर्मशाला की आड़ में कब्जा जमाने का खेल चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि धर्मशालाओं के नाम पर सांसद निधि विधायक निधि का उल्लेख कर आम लोगों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को गुमराह कर रहे यह क्षेत्र नगर परिषद भेड़ाघाट की सीमा से भी लगा हुआ है। आखिरकार भेड़ाघाट की प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट करने पर भू माफिया उतारू है प्रशासनिक अमला को फुर्सत नहीं है की प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। वृक्ष है तो जीवन हैं लेकिन यह स्लोगन सुनने में तो अच्छा लगता है और मुख्यमंत्री की परिकल्पना भी साकार होगी यह कहां नहीं जा सकता है भेड़ाघाट क्षेत्र में वन विभाग और राजस्व विभाग में बैठे अधिकारियों की वजह से वन परिक्षेत्र मैं अंधाधुन वृक्षों की कटाई के साथ ही भू माफियाओं द्वारा प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट किया जा रहा है सरस्वती घाट में पहाड़ी को जेसीबी मशीन से छलनी किया जा रहा है यहां पर सागौन के झाड़ भी लगे हुए हैं उनको भी जड़ से उखाड़ा जा रहा है ग्राम पंचायत बिल्हा नगर परिषद भेड़ाघाट की सीमा में यह क्षेत्र लगा है मां नर्मदा की प्राकृतिक सुंदरता को सरस्वती घाट संगम कहा जाता है ग्राम पंचायत के चक्कर में भूमाफिया वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं नर्मदा तट से 300 मीटर पर किसी प्रकार की खुदाई या पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता है लेकिन हाई कोर्ट के आदेशों को शासन प्रशासन में बैठे अधिकारी ठेंगा दिखा रहे हैं वन विभाग के राजस्व विभाग तहसीलदार या एस,डी, एम,को शिकायत के बाद भी अधिकारियों को यह नहीं दिख रहा है तभी तो भेड़ाघाट क्षेत्र का वन परिक्षेत्र का सफाया हो रहा है और राज्य शासन के सपनों पर पानी फेरा जा रहा है। भूमाफियाओं द्वारा रातों-रात वृक्षोंका कत्लेआम भी किया जा रहा हैं प्रशासन द्वारा कभी निरीक्षण नहीं किया जाता है जिससे भेड़ाघाट में घटते वृक्षों से पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ रहा है भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं। जिला प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं होने से भूमाफियाओं के हौसले बुलंद है

हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना हो रही

शहपुरा तहसील बिल्हा ग्राम पंचायत क्षेत्र में शासकीय भूमि को लेकर भूमाफिया ओं द्वारा अवैध कब्जा करने की होड़-सी लगी हैं सरस्वती घाट में भी बेजा कब्जा किये जा रहे हैं पहाड़ियों को खोद कर धर्मशाला की आड़ में कब्जा जमाने का खेल चल रहा हैं शासन के जिम्मेदारों द्वारा भूमाफियाओं पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही हैं भूमाफियाओं को किसका संरक्षण प्राप्त है जिससे भू माफिया मिट्टी का कटाव कर पहाड़ी को समतल कर टीन सेट बनाकर बेजा कब्जा हो रहा हैं आखिरकार जिला प्रशासन राजस्व विभाग वन विभाग अधिकारियों द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही या जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्री रामनाथ शाह- रेलवे क्रासिंग के पास गढ़ा रोड निवासी श्री रामनाथ शाह (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल विश्वकर्मा- बृजमोहन नगर छापर रामपुर निवासी श्री मदन विश्वकर्मा के पुत्र श्री अनिल विश्वकर्मा (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास लेखवानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री भगवान दास लेखवानी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री निहाल वासवानी- स्नेह नगर गढ़ा रोड निवासी श्री सुरेंद्र वासवानी के पुत्र श्री निहाल वासवानी (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष यादव- चांदमारी लालमाटी पंचशील स्कूल रोड निवासी श्री संतोष यादव (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री धर्मेंद्र साहू- कटंगा टीवी टावर के पास केंट निवासी श्री धर्मेंद्र साहू (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकसित शर्मा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री मुकेश शर्मा के पुत्र श्री विकसित शर्मा (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. रिंकी घोषी- विनोबा नगर गुजराती मोहल्ला अधारताल निवासी श्री तीरथ प्रसाद घोषी की पुत्री कु. रिंकी घोषी (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. कामनी भलावी- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री मनोज भलावी की पुत्री कु. कामनी भलावी (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अजय शर्मा- नेपियर टाउन इनकम टैक्स आफिस के पास निवासी श्री अजय शर्मा (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमरावती देवी राम- कांचघर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री राधेश्याम राम की धर्मपत्नी श्रीमती उमरावती देवी राम (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रामकृष्ण विश्वकर्मा- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री रामकृष्ण विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती देवी- एपीआर कॉलोनी नं. 2 बिलहरी निवासी श्री शिव सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती देवी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुमंत्रा बाई- दुर्गा नगर भटौली गौरीघाट निवासी श्री मनबोध की धर्मपत्नी श्रीमती सुमंत्रा बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमावस राय- शीला टाकीज कम्पाउंड निवासी श्री अमावस राय (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री भोला सेन- बगीचा नं. 55, सदर निवासी श्री भोला सेन (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. निकिता कुशवाहा- उदय नगर नं. 2 व्हीकल रोड निवासी श्री सुरेंद्र सिंह कुशवाहा की पुत्री कु. निकिता कुशवाहा (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अशोक मोंगरे- पुराना तांगाखाना के पास सदर केंट निवासी श्री अशोक मोंगरे (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

यूएस मीडिया रिपोर्ट का खुलासा- 3500 मरीन मिडिल ईस्ट में धावा बोलेंगे

स्पेशल फोर्स और इंफ्रेंट्री के जवान होंगे ऑपरेशन में शामिल

अमेरिका कर रहा बड़े जमीनी हमले की तैयारी, उधर ईरान ने कहा हमारे सैनिक इंतजार में हैं, जलाकर राख कर देंगे

अमेरिका और ईरान के बीच जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान में हुई बैठक भी कोई समाधान नहीं निकल पाई। कुल मिलाकर शांति की जगह ये जंग और भयंकर रूप ले रही है। अमेरिका जहां सैकड़ों मरीन, सैनिक और पोत भेजने की तैयारी कर रहा है वहीं ईरान की इसकी खबर लगते ही उसने साफ शब्दों में कह दिया कि आइए हमारे सैनिका उनका स्वागत करके नर्क भेजेंगे और जलाकर राख कर देंगे?

मार्को रूबियो

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग को लेकर यूएस की मीडिया ने बड़ा खुलासा किया है। यूएस मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि हजारों की संख्या में अमेरिकी सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंच रहे हैं। यह युद्ध का एक नया और खतरनाक दौर बन सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) ईरान में जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। यूएस अधिकारियों के हवाले दावा किया है कि कोई भी संभावित जमीनी ऑपरेशन पूरी तरह से हमला नहीं होगा। इसके बजाय, इसमें स्पेशल ऑपरेशन फोर्स और इंफ्रेंट्री के जवान शामिल होंगे। ऐसे मिशन में यूएस सैनिकों को कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें ईरानी ड्रोन और मिसाइलें, आमने-सामने की जंग और आईईडी का हमला शामिल हैं। वहीं ट्रंप लगातार दोहरी बात कर रहे हैं।

कभी वह कहते हैं कि युद्ध अब खत्म होने वाला है, तो कभी वह इसे और बढ़ाने की धमकी देते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका बिना जमीनी सैनिकों के भी अपने सभी लक्ष्य हासिल कर सकता है, लेकिन रिपोर्ट में बताया कि इसके लिए काफी पहले से ही योजना बनाई जा रही है। एक अधिकारी ने कहा कि यह कोई आखिरी समय में की गई योजना नहीं है।विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी अम्फीबियस फोर्स समुद्र-आधारित हमलों और जमीनी अभियानों दोनों के लिए सक्षम है। पेंटागन ने पहले 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के पैराट्रूपर्स को भी मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया था, जो क्षेत्र में तनाव बढ़ने का संकेत है। विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान की तेल सुविधाओं और मिसाइल क्षमता को लक्ष्य बनाकर क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहता है। हालांकि, जमीनी अभियान से अमेरिकी सैनिकों को काफी जोखिम हो सकता है और युद्ध लंबा खिंचने की आशंका बनी हुई है।

ईरान का दावा 10 से ज्यादा घायल हुए अमेरिकी सैनिक

मलबे में बदल गया अमेरिकी विमान

हमले में बर्बाद हुआ 6600 करोड़ का एयरक्राफ्ट

ईरानी मिसाइल ने तोड़ी यूएस एयरफोर्स की बैकबोन!

सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमले ने अमेरिका की सैन्य क्षमताओं को बड़ा झटका दिया है। 27 मार्च को हुए इस हमले में अमेरिकी वायुसेना का बेहद अहम ई-3 सेंचुरी अवेकस विमान क्षतिग्रस्त हो गया, साथ ही हवा में ईंधन भरने वाले कई टैंकर विमान भी इस हमले की चपेट में आए। ईरान के दावे के मुताबिक उसके इस हमले में 10 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए हैं। जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में ई-3सेंचुरी अवेकस विमान को भारी नुकसान पहुंचा दिख रहा है। हालांकि, अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने इस घटना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग ने भी अपने एक्स हैंडल से हमले में बर्बाद हुए इस विमान की तस्वीरें पोस्ट की हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, हमले से पहले इस बेस पर करीब छह ई-3 सेंचुरी विमान तैनात थे। यह एक सर्विलांस विमान होता है, जिसका इस्तेमाल आसमान से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित खतरे का पता लगाने के लिए होता है। ईरानी हमले में इस महत्वपूर्ण विमान को हुए नुकसान से क्षेत्र में अमेरिका के एरियल ऑपरेशन की क्षमता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस एक विमान की कीमत 6600 करोड़ रुपए के करीब है।

क्यों अहम है ई-3 सेंचुरी विमान

ई-3 सेंचुरी विमान को अमेरिका के एरियल ऑपरेशन का बैकबोन माना जाता है। यह विमान हवा में उड़ता हुआ एक कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की तरह है, जो अमेरिकी वायुसेना को इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस (खुफिया जानकारी जुटाना) जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएं प्रदान करता है। 1970 के दशक से सेवा में मौजूद यह विमान कई बड़े सैन्य अभियानों- जैसे ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म, कोसोवो युद्ध, इराक और अफगानिस्तान अभियानों, ऑपरेशन इनहेरेंट रिजॉल्व में निर्णायक भूमिका निभा चुका है। यह प्लेटफॉर्म विशाल हवाई क्षेत्र की निगरानी करने, विभिन्न लड़ाकू विमानों के बीच तालमेल बैठाने में सक्षम है। अमेरिका के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और सऊदी अरब जैसे कई देशों की सेनाएं भी इसका इस्तेमाल करती हैं।

अमेरिकी सैनिकों को नर्क में भेजकर दम लेंगे हमारे सैनिकः ईरान

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच महीनेभर से मिडिल ईस्ट में जंग छिड़ी हुई है। दोनों देशों ने मिलकर ईरान पर कई हमले किए हैं, जिस पर तेहरान ने जवाबी कार्रवाई करके पलटवार किया है। अब अमेरिका ईरान में जमीनी सैनिकों को उतारने की तैयारी कर रहा है। उसने मिडिल ईस्ट में हजारों अमेरिकी सैनिकों को भेज भी दिया है। अटकलें लग रही हैं कि अमेरिकी सैनिक ईरान के लिए सबसे महत्वपूर्ण खर्ग द्वीप पर कब्जा जमाने के लिए जाएंगे। इस बीच, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने रविवार को चेतावनी देते हुए कहा हैकि अगर ईरान की सेनाएं जमीन पर अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रही हैं, ताकि उन्हें जलाकर राख कर सकें और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों को हमेशा के लिए सजा दे सकें। उन्होंने कहा कि हमारी गोलाबारी जारी है। हमारी मिसाइलें अपनी जगह पर तैनात हैं। हमारा संकल्प और विश्वास और बढ़ गया है। ईरान के आधिकारिक मीडिया के अनुसार, उन्होंने अमेरिका को जमीनी हमले के खिलाफ चेतावनी दी, और धमकी दी कि अगर अमेरिकी सेना ईरानी जमीन पर उतरी, तो इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैनिकों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कड़ा जवाबी हमला किया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की 15 सूत्रीय योजना को, जिसे पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते ईरान को सौंपा था उनकी इच्छाएं बताया, और कहा कि ट्रंप प्रशासन इस योजना के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जिसे वह ताकत के बल पर हासिल करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, जब तक अमेरिकी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते रहेंगे, हमारा जवाब साफ है। हम अपमान स्वीकार करने से कोसों दूर हैं। अमेरिकी मीडिया ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि पेंटागन ईरान में हफ्तों तक चलने वाले सीमित जमीनी अभियानों की तैयारी कर रहा है। इन अभियानों में संभवतः खर्ग द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित तटीय ठिकानों पर छापे मारना भी शामिल हो सकता है। अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये योजनाएं, जो पूर्ण-स्तरीय आक्रमण से कम हैं, विशेष अभियानों और पारंपरिक पैदल सेना के सैनिकों द्वारा की जाने वाली छापेमारी को शामिल कर सकती हैं। इससे अमेरिकी सैनिकों को ईरानी ड्रोन और मिसाइलों, जमीनी गोलाबारी और तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों के खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

3500 मरीन पहुंच गए मध्य पूर्व क्षेत्र में

इस बीच, यूएस सेंट्रल कमांड ने घोषणा की कि लगभग 3,500 मरीनों की एक टास्क फोर्स मध्य पूर्व पहुंच गई है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यूएस सैलर्स और मरीन्स यूएसएस ट्रिपोली (एलएचए 7) पर सवार होकर 27 मार्च को यूएस सेंट्रल कमांड क्षेत्र में पहुंचे।

सीधी भिड़ंत से दुनिया में मची खलबली

अमेरिका-क्लास एम्फीबियस असेल्ट शिप ट्रिपोली ट्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप/ 31वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट (एमईयू) का फ्लैगशिप है। इसमें परिवहन और स्ट्राइक फाइटर एयरक्राफ्ट, एम्फीबियस असेल्ट और टैक्टिकल एसेट्स शामिल हैं। यह यूनिट तेजी से तैनाती, सामरिक स्थानों को सुरक्षित करने, निकासी या तटीय लक्ष्यों पर हमलों के लिए जानी जाती है। यह तैनाती ईरान के साथ चल रहे युद्ध से जुड़ी व्यापक अमेरिकी सैन्य बढ़ोतरी का हिस्सा है।

दोनों की तस्वीरें जारी कर कहा लो इन्हें पहचान लीजिए

ईरान ने स्कूल पर हमले के लिए यूएस के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

कमां. लीआर टेट,जेफरी ईयार्क

तेहरान वैसे तो इतिहास की किताबों में विवादों के न जाने कितने काले पन्ने दर्ज हैं, लेकिन पिछले दिनों ईरान के मीनाब शहर ने जो मंजर देखा, उसने इंसानियत को हमेशा-हमेशा के लिए शर्मसार कर दिया है। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरानी शहर मीनाब के 'शजरे तैयबा' गर्ल्स स्कूल पर एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार तीन टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं। इस भीषण हमले में 168 मासूम स्कूली बच्चियों के चीथड़े उड़ गए। पूरा स्कूल परिसर देखते ही देखते मलबे में तब्दील हो गया। इस हमले की सबसे भयावह बात यह है कि इसमें 'ट्रिपल टैप' का इस्तेमाल किया गया। आंकड़ों से साफ हुआ है कि पहली मिसाइल गिरने के बाद जब चीख-पुकार मची और स्थानीय लोग व बचाव दल मलबे से बच्चों को निकालने के लिए दौड़े, ठीक उसी वक्त दूसरी और फिर तीसरी मिसाइल दागी गई। इस रणनीति का मकसद केवल तबाही मचाना नहीं, बल्कि मदद के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी खत्म करना होता है। ईरान ने इस घटना के बाद सीधे तौर पर अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया है। ईरान की ओर से दावा किया गया है कि बतौर कमांडिंग ऑफिसर ली आर टेट ने टॉमहॉक मिसाइलों को लॉन्च करने का आदेश दिया था। वहीं, कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई यॉर्क ने इस पूरे घातक ऑपरेशन की योजना बनाई थी। ईरान ने अब दोनों अधिकारियों की तस्वीर साझा करते हुए इन्हें युद्ध अपराधी करार दिया है।

ईरान बोला- होर्मुज के पास हमारा दबदबा बढ़ा

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास उसका दबदबा बढ़ गया है और अमेरिकी जहाजों को पीछे हटना पड़ा है। ईरानी नौसेना के एक कमांडर ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके जहाज उनकी रेंज में आए तो उन्हें तटीय मिसाइलों से निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिकी सेना के करीब आने का इंतजार कर रहा है, ताकि जवाबी कार्रवाई की जा सके। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसके मिसाइल मूवमेंट के कारण अमेरिकी युद्धपोत USS अब्राहम लिंकन को सैकड़ों मील दूर हटना पड़ा।

ईरान ने 86वीं बार मिसाइल-ड्रोन स्ट्राइक की

तेलअवीव में धमाका

ईरान ने इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर 86वीं बार मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुताबिक, यह हमला लेबनान में इजराइली हमले में मारे गए तीन पत्रकारों मारे गए थे। इस हमले में भी बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

यूएई ने ईरान के 42 ड्रोन और 16 मिसाइलें मार गिराईं

यूएई ने कहा है कि उसने ईरान से दागे गए 42 ड्रोन और 16 बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान अब तक यूएई पर 414 बैलिस्टिक मिसाइल, 15 क्रूज मिसाइल और 1,900 से ज्यादा ड्रोन दाग चुका है। अधिकारियों ने बताया कि देश की एयर डिफेंस सिस्टम लगातार हमलों को नाकाम कर रही है और हालात पर नजर रखी जा रही है।

ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 2,076 पहुंचा

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में जारी जंग के बीच मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,076 हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मृतकों में 216 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, अब तक 26,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें 1,767 बच्चे शामिल हैं। हमलों के कारण 336 स्वास्थ्य और इमरजेंसी सेंटर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

अमेरिका-इजराइल हमलों से ईरान के मिसाइल ठिकानों को नुकसान

अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान के कई अहम मिसाइल ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे उसकी सैन्य क्षमता प्रभावित हुई है।

खबर संक्षेप

नेपाल में भूकंप आया होई हताहत नहीं

काठमांडू। नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में शनिवार रात को 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी। भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। स्थानीय समयानुसार रात करीब 11.35 बजे आए भूकंप का केंद्र सिंधुपालचौक के नुलथला खारका क्षेत्र के पास स्थित था।

नेपाल में पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड्का गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने पूर्व ऊर्जा मंत्री और नेपाली कांग्रेस के नेता दीपक खड्का को धन शोधन के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह खड्का को हिरासत में ले लिया। धन शोधन जांच विभाग से अनुरोध प्राप्त होने के बाद पुलिस ने खड्का को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

यूएस तक जाने वाले मिसाइल इंजन का टेस्ट

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन के परीक्षण का अवलोकन किया और इसे देश की सामरिक सैन्य क्षमता को बढ़ाने वाला घटनाक्रम बताया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार यह परीक्षण संभवतः इस बात का संकेत है कि किम ऐसी मिसाइलों के जखीरे का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहते हैं जो अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम हो।

सुरक्षा बलों की सख्ती और सरकार की पुनर्वास व विकास योजनाओं के चलते हिंसा में भारी गिरावट आई

अब खात्मे के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

दस साल में 10 हजार से ज्यादा माओवादियों का आत्मसमर्पण, अर्बन नक्सल पर भी नकेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में नक्सलवाद अब अपने अंत की ओर है। पिछले 10 साल में 10,000 से ज्यादा माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के दबाव और सरकार की पुनर्वास नीतियों ने इस उग्रवाद को करारा झटका दिया है। केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय की थी। आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 2,300 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं, 2026 के पहले तीन महीनों में ही 630 से ज्यादा कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। सरकार ने अब पुरानी और बिखरी हुई नीतियों की जगह एक मजबूत और एकजुट रणनीति अपनाई है। पहले लाल गलियारे (बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश) में ठेकेदार काम करने से डरते थे। अब केंद्र सरकार ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को मुख्य इलाकों में सड़कें बनाने का काम दिया। इसमें विद्रोह के इन गढ़ों में पांच मुख्य सड़कों और छह जरूरी पुलों का निर्माण शामिल था। माओवादी से प्रभावित इलाकों में 15,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं, जिनमें से 12,250 किलोमीटर सड़कें अकेले पिछले 10 वर्षों में पूरी की गई हैं।

माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए गंभीरता से प्रेरित किया गया

एआई इमेज

हर साल सैकड़ों नक्सली कर रहे आत्मसमर्पण

सुरक्षा के मोर्चे पर बड़े बदलाव

सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़े बदलाव हुए हैं। साल 2014 में केवल 66 मजबूत पुलिस स्टेशन थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 586 हो गई है। पिछले 6 साल में 361 नए सुरक्षा कैंप बने हैं। ऑपरेशन की ताकत बढ़ाने के लिए 68 नाइट-लैंडिंग हेलीपैड भी बनाए गए हैं। इसका असर यह हुआ कि नक्सली घटनाओं वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 330 से घटकर सिर्फ 52 रह गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार माओवादी आंदोलन बिना किसी बड़े नेता के रह गया है।

आम लोगों तक पहुंच रहीं योजनाएं

इसका असर है कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब आम लोगों तक पहुंच रहा है। पीएम-आवास योजना के तहत घरों की संख्या 92,847 से बढ़कर 2.54 लाख से ज्यादा हो गई है। आधार नामांकन और आयुष्मान कार्डों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। शिक्षा के लिए 250 एकलव्य स्कूल मंजूर हुए हैं, जिनमें से 179 चल रहे हैं। इनके अलावा, 11 केंद्रीय विद्यालय और 6 नवोदय विद्यालय भी संचालित हो रहे हैं। युवाओं को रोजगार देने के लिए 48 जिलों में आईटीआई और कौशल विकास केंद्र बनाए गए हैं। इससे नक्सलियों की नई भर्ती रुकी है। संचार के लिए 9,000 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। रेलवे ने भी बस्तर से छत्तीसगढ़ के बीच रेल लाइन बिछाई है। दंतेवाड़ा से मुनुगुरु तक नई रेल लाइन का सर्वे भी पूरा हो गया है।

मदद, ट्रेनिंग व रहने को घर

नक्सलियों की फंडिंग रोकने के लिए एनआईए और ईडी ने करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त की है। इससे शहरी नक्सलियों और उनके सूचना तंत्र को गहरा नुकसान पहुंचा है। सरकार की नई पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद, ट्रेनिंग और घर भी दिया जा रहा है।

पीएम मोदी को फोन किया और मिल गया तेल

38 हजार मीट्रिक टन तेल भारत ने श्रीलंका भेजा, राष्ट्रपति ने कहा-शुक्रिया

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

फाइल फोटो

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुए उर्जा संकट के बीच तेल भेजने के लिए श्रीलंका ने भारत का धन्यवाद किया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत ने 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम सप्लाई भेजकर हमें मुश्किल से निकाला, जिसके लिए हम आभारी हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रविवार को बताया कि उनकी इस मुद्दे पर भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई थी। इसके कुछ ही दिन में भारत से मदद आ गई है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि कुछ दिन पहले मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की थी। मेरी उनसे श्रीलंका को मध्य-पूर्व के संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आ रही रुकावटों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद कल कोलंबो में 38,000 एमटी ईंधन पहुंच गया। भारत के त्वरित सहयोग के लिए मैं आभारी हूं। करीबी समन्वय के लिए एस. जयशंकर को भी धन्यवाद देता हूं।

भारत ने श्रीलंका को भेजी मदद

भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम की आपूर्ति की है। इसमें 20,000 एमटी डीजल और 18,000 एमटी पेट्रोल है, जो शनिवार को कोलंबो पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच फोन कॉल के बाद हुआ है। ऐसे में श्रीलंका के नेता लगातार दिल्ली को शुक्रिया कह रहे हैं। भारत के तेल भेजने के फैसले कीश्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने जमकर तारीफ की है। सिल्वा ने कहा है कि पड़ोसी देश भारत ऐसे समय में हमें मदद भेज रहा है, जब हमें इसकी बहुत ज्यादा जरूरत है। भारत ने पहले भी बुरे वक्त में श्रीलंका का साथ दिया है। जब हम मुश्किल में होते हैं तो वे हमारी मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। हम उनका शुक्रिया करते हैं।

सरकार के पास पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक

94000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे दो और बड़े-बड़े जहाज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एआई इमेज

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग के बीच होर्मुज संकट के मध्य भारत के लिए राहत भरी खबर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 94,000 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो ले जाने वाले दो एलपीजी वाहक- बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम सुरक्षित रूप से होर्मुज कर चुके हैं और भारत के तटों की ओर बढ़ रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में विवरण साझा करते हुए, इसने आगे कहा कि बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च को पहुंचने की अपेक्षित समय के साथ मुंबई की ओर बढ़ रहा है,और बीडब्ल्यू ईएलएम 1 अप्रैल की अनुमानित आगमन तिथि के साथ न्यू मैंगलोर के रास्ते में है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि क्षेत्र में कार्यरत भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं।

भारतीय नौ सेना को मिले कई तरह के अनुभव, जंग के कई तरीके सीखने के मिले अवसर

हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े जटिल समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर काम किया गया

भारतीय नौसेना की मेजबानी में आईओएनएस समुद्री अभ्यास हुआ.... 16 देशों ने भाग लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नौसैनिकों का समूह फोटो

भारतीय नौसेना ने 27 मार्च 2026 को कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान के मैरीटाइम वारफेयर सेंटर में आईओएनएस मैरीटाइम एक्सरसाइज (आईएमईएक्स) टेबल-टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) 2026 का आयोजन किया। इस उच्च स्तरीय बैठक में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) से जुड़े देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधि, आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय अधिकारी और भारतीय नौसेना के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में उभर रही गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया। यह विविध बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व पूरे क्षेत्र में आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सोलह वर्षों के अंतराल के बाद भारत द्वारा 2026-2028 चक्र के लिए आईओएनएस की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ, आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 क्षेत्रीय समुद्री नेतृत्व को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया

अलग-अलग संभावित परिस्थितियों का अभ्यास

इस अभ्यास में बिना वास्तविक तैनाती के अलग-अलग संभावित परिस्थितियों का अभ्यास किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को पेशेवर आदान-प्रदान के नए रास्ते तलाशने और आपसी विश्वास को गहरा करने में सक्षम बनाया। आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 ने फिर साबित किया कि आईओएनएस रचनात्मक संवाद, सामूहिक जिम्मेदारी और समुद्री चुनौतियों के क्षेत्रीय रूप से संचालित समाधानों के माध्यम से सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस अभ्यास से प्राप्त जानकारियों से आईओएनएस ढांचे को और मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुसंगत, उत्तरदायी और स्थिर समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

गदा यात्रा में अखंड हिन्दू राष्ट्र का संकल्प दिलवाएंगे टी. राजा सिंह

हिन्दू सेवा परिषद् चतुर्दश स्थापना दिवस एवं हिन्दू नव संवत्सर 2083 पर निकलेगी ऐतिहासिक गदा यात्रा

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हन्दू सेवा परिषद् के चतुर्दश स्थापना दिवस एवं हिन्दू नव संवत्सर 2083 के उपलक्ष्य में आगामी 31 मार्च 2026 को गदा यात्रा एवं हिन्दू धर्म सभा का आयोजन होने जा रहा है। उक्त विषय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें संपूर्ण आयोजन की समुचित जानकारी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा प्रदान की गई। वार्ता में परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी एवं उपाध्यक्ष नितिन सोनपाली एवं समस्त पदाधिकारीगण मंचासीन रहे। हिन्दू सेवा परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने वार्ता प्रारंभ करते हुये बताया कि इस वर्ष तीन अखाड़ा लगातार यात्रा में प्रदर्शन करेंगे तथा 10 फुट की दादा भगवान श्री हनुमान की अनूठी मूर्ति आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

यह भी बताया कि 31 मार्च 2026 दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे नौदरा ब्रिज स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर में धर्म सभा के पश्चात यात्रा प्रारंभ होकर करमचंद चौक, तुलाराम चौक, अंधेरदेव, खजांची चौक, फुहारा, लार्डगंज, सुपर मार्केट, मालवीय चौक, सिविक सेंटर में सम्पन्न होगी। यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व हनुमान जी के मंदिर में संस्कारधानी के समस्त संतों की अगुवाई में महाआरती कर भगवा ध्वज दिखाकर गदा यात्रा प्रारंभ की जायेगी। 31 मार्च को गदा यात्रा में हिन्दू राष्ट्र की हुंकार भरी जाएगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद से पधारे टी. राजा सिंह हिंदुओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह भी बताया कि गदा यात्रा संस्कारधानी की पहचान बन चुका है तथा यह गदा यात्रा पुनः ऐतिहासिक बनेगी जिसमें संस्कारधानी के परमपूज्य संत, महात्माओं की विशेष उपस्थिति के अलावा भारत वर्ष से मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता टी राजा सिंह कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। गदा यात्रा का मुख्य आकर्षण 31 फिट का मिट्टी का चांदी कलर का गदा बेलगाड़ी में रहेगा। गदा यात्रा में गदा के अलावा दादा हनुमान की विशालकाय प्रतिमा, बैण्ड बाजे, ढोल एवं भगवा ध्वज यात्रा में रहेंगे। गदा यात्रा में 11 हजार से भी अधिक श्रीराम भक्त शामिल होंगे। जबलपुर की यात्रा में 10 प्रखण्डों से भक्तगण नौदरा ब्रिज स्थित श्रीराम मंदिर में एकत्रित होंगे। यह गदा यात्रा निकालने का उद्देश्य रहता है कि हिन्दू की एकता का संदेश समाज तक पहुंचे तथा हिन्दू का शक्ति प्रदर्शन सदैव उच्च स्तरीय हो एवं हिंदू राष्ट्र बनाने की हुंकार भरी जाए।

पत्रकारवार्ता में अतुल जेसवानी, नितिन सोनपाली, सौरभ जैन, उत्कर्ष रावत, अक्षय झा, निखिल कनौजिया, अभिषेक अहिरवार, अंकित विश्वकर्मा एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर मीडिया के माध्यम से यह अपील की कि जबलपुर के सभी हिन्दू यात्रा में शामिल हों।

बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण आयोजन पर जताया आभार

जबलपुर। बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन, प्रेस प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। कमेटी ने शहर में कौमी एकता और भाईचारे के अनुपम उदाहरण की सराहना की। बज्मे गुलशने मदीना कमेटी के समाजसेवी शाहिद मुबीन, तारिक भाई, आशिफ सिराजी, जामिन भाई, पप्पू वसीम खान, फरीद अहमद, बाबा रिजवान, अतीक जावेदी, मोहम्मद सारिक, कलीम मामू, शकिब खोखार, मोहम्मद जावेद (AR) आदि सदस्यों ने संयुक्त रूप से यह आभार व्यक्त किया।कमेटी ने विशेष रूप से जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और नगर निगम आयुक्त सहित सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ईद-उल-फित्र के दौरान आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित करने में प्रशासन की भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर कमेटी ने प्रेस प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी विशेष धन्यवाद दिया। मीडिया ने पर्व से संबंधित सटीक जानकारी प्रसारित कर शहर में शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने शहर के सभी निवासियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जबलपुर की गंगा-जमुनी तहज़ीब का ही परिणाम है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद-उल-फित्र का पर्व शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जो संस्कारधानी की पहचान को दर्शाता है।

माँ सिद्धिदात्री मंदिर का जवारा चल समारोह आज

जबलपुर। 360 गौत्रीय खटीक समाज एवं माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति के तत्वावधान में माँ सिद्धिदात्री की स्थापना दिनांक 20.04.2000 के उपरांत निरंतर प्रत्येक छह मास में जवारा चल समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस चैत्र नवरात्रि पर 101 घटों (जवारों) की स्थापना की गई है, जिनका पूजन अर्चन मुन्नू पंडा के द्वारा किए जाने के उपरांत 30 मार्च सोमवार को शाम 7.30 बजे 52वां विसर्जन जुलूस हनुमानताल सरोवर के लिए निकाला जाएगा। चल समारोह में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील अध्यक्ष महेन्द्र जांगड़े, उपाध्यक्ष राजू पटारिया, सचिव अखिल पटारिया ने की है।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल में नौनिहालों को प्रतियोगिता से किया संस्कारित

जबलपुर। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर द्वारा विगत दिवस इंदौर की संस्था "सानंद" के तत्वावधान में "दादा-दादी, नाना-नानी कहानी बताओ" दादा-दादी, नाना-नानियों के लिए प्रतियोगिता का सफलतम आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य मातृभाषा मराठी के माध्यम से नौनिहालों में संस्कार और नैतिकता का अंकुरण कर उन्हें भावी समाज के संस्कारित नागरिक बनाने का प्रयास है, जो हमारी संस्कृति में प्राचीनकाल से प्रचलित है, परंतु वर्तमान जीवन शैली में हम हमारी इन प्राचीन परंपराओं जो संस्कारित समाज की नींव है, से दूर होते जा रहे हैं। इसके साथ ही नौनिहालों में अपनी मातृभाषा का बीजारोपण भी है।प्रतियोगिता का संचालन महाराष्ट्र शिक्षण मंडल की सदस्य वर्षा भावे तथा वर्षा भालेराव द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक सानंद इंदौर से पधारी अरुणा कुलकर्णी एवं सुमंगली पोतदार थीं। इस अवसर पर शिक्षण मंडल के सचिव प्रमोद पाठक, संदीप पाठक, अजय भालेराव एवं विलास परांजपे मौजूद रहे।

जीआरपी ने ट्रेनों एवं स्टेशनों में अवैध वेंडर्स के विरुद्ध चलाया चेकिंग अभियान

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) जबलपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक (रेल) जबलपुर के दिशा निर्देश में जीआरपी थाना जबलपुर अंतर्गत ट्रेनों एवं स्टेशनों में अवैध वेंडर के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाकर 28/3/2026 को रेलवे स्टेशन जबलपुर के पीएफ नंबर 4/5 पर अवैध रूप से समोसा, चना एवं ककड़ी बेचकर यात्रियों के आवागवन में बाधा उत्पन्न करने पर निम्न के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक 52/26, 53/26, 54/26, 55/26, 56/26 धारा 34(3)पुलिस एक्ट के अंतर्गत तीन महिला एवं दो पुरुष के खिलाफ कार्यवाही की गई, जिनका विवरण इस प्रकार है- 1. चुन्नीलाल पिता अनुसूया प्रसाद उम्र 42 साल निवासी हनुमान नगर नई बस्ती थाना कोलगवां सतना, 2. सौरभ प्रजापति पिता महेश प्रजापति उम्र 24 साल निवासी ग्वालटोला संजय नगर होशंगाबाद नर्मदा पुरम, 3. नेहा पति मधु केवट उम्र 35 साल निवासी रेलवे स्टेशन के पास सिहोदा थाना भेड़ाघाट जबलपुर, नंबर 4. मीराबाई बसोर पति स्वर्गीय धर्मेंद्र बंशकार उम्र 40 साल निवासी कांचघर शीतला माई मंदिर थाना घमापुर जबलपुर, 5. शकुन बाई पति प्रकाश केवट उम्र 60 साल निवासी ग्राम रायपुरा थाना पनागर जबलपुर।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एएसआई नरेश, प्र.आर. संतोष कुशवाहा, प्र.आर. धीरेंद्र, आर. परशुराम, आर. गोपाल, आर. रविकांत, म.आर. ज्योति, म.आर. आस्था, म.आर. आरती शामिल रहे।

टाउन हॉल में स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सम्मानित

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार उत्तराधिकारी वंशज संगठन प्रकोष्ठ के जबलपुर शहर के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ एवं जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण शर्मा का स्वागत सम्मान समारोह स्वतंत्रता संग्राम परिवार के वंशजों परिवारों द्वारा गांधी भवन टाउन हॉल में किया गया। समारोह का आयोजन मनोज नामदेव, प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया, प्रकाश गोलछा, डॉ. निधि शर्मा, यशोदा जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल के संयोजन में किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात नवनियुक्त अध्यक्षों का शाल, श्रीफल एवं फूलमाला से सम्मान किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार उत्तराधिकारी पत्रकार विनोद यादव, एसके चोहटेल एड., अनिल उसरेटे, शिवमंगल यादव, राजेश नामदेव, अनिल भटनागर एड., अरुण राजनेकर, गणेश प्रसाद केशरवानी सहित बड़ी संख्या में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रता संग्राम परिजनों ने नवनियुक्त अध्यक्षों का पुरजोर स्वागत सम्मान किया। अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सांई यज्ञ, हवन, कन्या पूजन व भंडारे के साथ त्रिदिवसीय सांई महोत्सव का समापन

जबलपुर। सांई मंदिर दक्षिण सिविल लाइन में रामनवमीं एवं सांई जन्मोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन सांई यज्ञ, कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ 28 मार्च को संपन्न हुआ। क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी द्वारा प्रत्येक वर्षों की तरह इस वर्ष भी मंदिर पहुंचकर भोग आरती, कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण कराया। सैकड़ों सांई भक्तों ने यज्ञ में आहुतियां दी एवं बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्याम कनौजिया भी उपस्थित रहे। संध्या महाआरती जगतगुरु राघव देवाचार्य महाराज द्वारा संपन्न कराई गई, तत्पश्चात स्वामीजी ने अपने आशीर्वचन दिए। अतिथियों का स्वागत सांई बाबा की चादर, श्रीफल से रविनंदन सिंह, सुनील चंदेल, मृगेन्द्र नारायण सिंह, प्रेम भंडारी, संतोष अवस्थी, उमेश पिल्ले, कमलेश अग्रवाल, डॉ. तनुश्री सिंह आदि ने किया। तीन दिवसीय रामनवमीं एवं सांई जन्मोत्सव को सफल बनाने में संजय सेठ, डॉ. सुनील देशपांडे, लक्ष्मण दास, श्याम खत्री, भीमराव, मनोहर कनौजिया, पं. रवि पांडे, राजेन्द्र तोमर, अशोक स्वामी, लालजी रजक, राजेश कुशवाहा आदि का सक्रिय योगदान रहा।

झारिया समाज का सम्मेलन 26 अप्रेल को

जबलपुर। झारिया कल्याण संघ जबलपुर के तत्वावधान में झारिया समाज का सम्मेलन मानस भवन जबलपुर प्रेक्षागृह में 26 अप्रेल को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए सुयोग्य जीवन साथी तलाशने के लिए उनको अधिक से अधिक संख्या में मंच पर आमंत्रित कर स्वयं का परिचय देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वर्ष 2025 में कक्षा दसवीं एवं उच्च कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। दहेज रहित, निःशुल्क, आदर्श विवाह संपन्न कराए जाएंगे। वरिष्ठजनों एवं समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। संघ के डॉ. एनपी झारिया, गनेश सिंह झारिया, संतोष मेहरा, सोमराज झारिया, पुष्पा झारिया, संतोष झारिया, अजय झारिया, मथुरा प्रसाद झारिया, रामस्वरूप झारिया, अशोक झारिया, राधा झारिया, बलराम झारिया इत्यादि पदाधिकारियों ने स्वजातीय बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है।

रामनवमीं पर हनुमान बाग धाम से निकली भव्य श्रीराम रथ यात्रा

जबलपुर। संस्कारधानी गढ़ा स्थित श्री अवधेश्वर राजा राम मंदिर हनुमान बाग धाम में रामनवमी के शुभ अवसर पर भव्य श्रीराम रथ यात्रा का आयोजन किया गया। हनुमान बाग धाम के संस्थापक धर्म विभूषण पंडित ब्रजेश महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 मार्च 2026 दिन शुक्रवार को शाम 4 बजे से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म उत्सव पर श्रीराम रथ यात्रा का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि इस रथयात्रा का यह दसवाँ वर्ष रहा। सर्वप्रथम सम्पूर्ण राम दरबार के गर्भगृह में विराजित भगवान राम के विग्रह स्वरूप का अभिषेक, पूजन किया गया। तत्पश्चात भगवान श्रीराम रथ यात्रा के रूप में नगर भ्रमण करने के लिए निकले, जिसमें श्रीराम रथ के साथ अश्व दल, बैंड दल, धमाल पार्टी एवं विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक चेतना हेतु झांकियाँ सम्मिलित की गईं। रथ यात्रा श्री हनुमान बाग धाम से छोटी बजरिया, आनंदकुंज, गढ़ा बाजार, पंडा मढ़िया, शाही नाका, संजीवनी नगर, गौतम जी की मढ़िया, गुलौआ चौक, शुक्ला नगर, एकता चौक, बी.टी. तिराहा, छोटी बजरिया होते हुए हनुमान बाग धाम में पूर्ण हुई।

श्रीराम रथयात्रा का स्वागत उपनगरीय गढ़ा क्षेत्र की विभिन्न दुर्गोत्सव समतियाँ, गणेश उत्सव समितियाँ एवं विभिन्न सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने किया। हनुमान बाग धाम के संस्थापक धर्म विभूषण पंडित ब्रजेश महाराज एवं समिति पदाधिकारी, अभय पचौरी, डॉ. आशीष मिश्रा, दीपक उपाध्याय, सुशील विश्वकर्मा सहित क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमियों की उपस्थिति रही।

प्रदेश के शिक्षकों की टीईटी परीक्षा ली जाना न्यायसंगत नहीं

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम फैसलों के अनुसार, अब सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए एवं शिक्षक के रूप में नियुक्त होने और पदोन्नति पाने के लिए TET पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। मध्य प्रदेश में 1.5 लाख से अधिक कार्यरत शिक्षकों के लिए भी TET परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है, जो उचित नहीं है। लोक शिक्षण संचालनालय 2 मार्च 2026 के आदेश में प्रदेश के लाखों शिक्षकों को TET परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे शिक्षकों में असंतोष की स्थिति है। कई शिक्षक पिछले 20-28 वर्षों से शिक्षाकर्मी एवं संविदा शाला शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भर्ती के समय लागू सेवा शर्तों में TET परीक्षा का ऐसा किसी प्रकार का प्रावधान नहीं था। शिक्षाकर्मी भर्ती अधिनियम 1997-98, अध्यापक भर्ती अधिनियम 2008 तथा राज्य शिक्षा सेवा भर्ती अधिनियम 2018 में भी सेवारत शिक्षकों के लिए TET परीक्षा अनिवार्य करने का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में वर्षों से कार्यरत शिक्षकों पर TET परीक्षा लादकर अनिवार्य करना न्यायसंगत नहीं है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमन्त ठाकरे, राजेश सहारिया, दिनेश गोंड, राकेश श्रीवास, राजकुमार यादव, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी, लालजी प्रसाद, एनोस विक्टर, गोपीशाह आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने हेतु शिक्षकों के हित में अतिशीघ्र निर्णय लिया जाए।

स्टेशन चैकिंग के दौरान जीआरपी ने पकड़ा शातिर मोबाइल चोर

कब्जे से कीमती मोबाईल जब्त किये

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) सिमाला प्रसाद जबलपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी व पुलिस उप अधीक्षक एक भाग (रेल) अंकिता सुल्या जबलपुर के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में रेलवे स्टेशन सिहोरा में स्टेशन चैकिंग के दौरान आरोपी सत्य कुमार काछी पिता व टोला जगदीश काछी उम्र 32 वर्ष निवासी टोला पान उमरिया थाना पानउमरिया सान जिला कटनी को संदिग्ध हालत में रेलवे स्टेशन सिहोरा में पकड़ा गया जिसके कब्जे से चार नग मंहगे मोबाइल विभिन्न कंपनियों के कुल कीमती 74000 रुपये के जब्त किये गये। मोबाइलों के संबंध में आरोपी से पूछताछ की गई जिसने चोरी के मोबाइल बेचने के लिये अपने पास रखे होना बताया, आरोपी के पास कोई बिल दस्तावेज नहीं पाये गये, आरोपी 71.2. सत्यकुमार काछी के विरूद्ध अपराध क्र. 171/26 धारा 317(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया है आरोपी पूर्व में चोरी, मारपीट, अवैध शराब, अपहरण एवं रासुका के मामले में थाना में बंद हो चुका है। उक्त कार्यवाही में जीआरपी थाना जबलपुर से **SHO** संजीवनी राजपूत, प्रधान आरक्षक सतेंद्र सिंह, अरूण तिवारी, देवेंद्र मिश्रा, शेलेंद्र चंदेल आरक्षक राजकुमार नाफा मेहरा, परसुराम यादव, उमेश चोरे एवं आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के आशीष कुमार श्री यादव एवं सुग्रीव सिंह का उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को नगद ईनाम से पुरष्कृत करने की घोषणा की गई है।

मालाबार गोल्ड डायमंड्स की पहल, छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

जबलपुर। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जानी-मानी ज्वेलरी कंपनी मालाबार गोल्ड एंड डायमंड की ओर से छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्राओं को उनकी पढ़ाई में मदद के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में छात्राएं, उनके अभिभावक और स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मंच से कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी व्यक्ति और समाज के भविष्य को उज्जवल बनाती है। इसी सोच के साथ मालाबार गोल्ड एंड डायमंड द्वारा समय-समय पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस मौके पर कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि कई बार आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रतिभाशाली छात्र अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे में इस तरह की पहल विद्यार्थियों के लिए नई उम्मीद लेकर आती है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है, कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति मिलने से बच्चों की पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी और उनका मनोबल भी बढ़ेगा। कई विद्यार्थियों ने कहा कि वे आगे भी मेहनत कर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करना चाहते हैं, इस अवसर पर विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति समर्पण और मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश भी दिया गया, ताकि वे भविष्य में अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज के विकास में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जबलपुर के मेयर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), मध्य भारत क्षेत्र के कर्नल एडमिन नीरज मेहता और मालाबार गोल्ड और डायमंड्स के स्टोर मैनेजर अंशुल सिंह ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।